

दादी इतनी किरपा करिये दर पे आवता रवा भजन लिरिक्स



दादी इतनी किरपा करिये,
दर पे आवता रवा,
मैं तो थारे दरबार से,
माँ मांगता रवा।bd।

तर्ज - थारे सेठ जी रो सेठ।

थोड़ो थोड़ो देवोगा तो,
बार बार आवाँगा,
दादी थाने मीठा मीठा,
भजन सुनावाँगा,
म्हारी झोली इतनी भरिये,
मैं भी बांटता रवा,
मैं तो थारे दरबार से,
माँ मांगता रवा।bd।

एक बार में देवोगा तो,
आ नी कोणी पावाँगा,
मोह माया के जाल में माँ,
मैं भी फस जावाँगा,
'शुभम रूपम' म्हे भी,
हाजरी लगावता रवा,
मैं तो थारे दरबार से,
माँ मांगता रवा।bd।

दादी इतनी किरपा करिये,
दर पे आवता रवा,
मैं तो थारे दरबार से,
माँ मांगता रवा।bd।

स्वर - शुभम रूपम।